डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 14.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

विश्व बन्धुत्व दिवस पर विश्वविद्यालय मे आयोजित हुई संगोष्ठी

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0 एवं विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व बंधुत्व दिवस दिनांक 14 सितम्बा 2017 को विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में अपरान्ह 2 बजे से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में ''राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान'' विषय पर मुख्य अतिथि के रुप में ''राधा दीदी जीवनवृति'' विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी तथा सृष्टि योग एवं ध्यान केन्द्र अयोध्या के निदेशक डा0 चैतन्य द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। कुलपति ने अध्यक्षीय उदबोधन प्रदान किया।

विशिष्ट अतिथि डा0 चैतन्य हिन्दी दिवस एवं विश्व बन्धुत्व दिवस के अवसर पर वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा एवं संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार के संदर्भ में स्वामी विवेकानन्द द्वारा किए गए अतुलनीय प्रयासों का संदर्भ लेते हुए उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों से उपस्थित छात्र एवं शिक्षक समुदाय को परिचित कराया। अपने व्याख्यान में डा0 चैतन्य ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के आलेख एवं संदर्भ का प्रत्येक अंश युवा पीढी के लिए पथ प्रदर्शक है।

मुख्य अतिथि के रुप में अपने व्याख्यान का प्रारंभ अंग्रेजी भाषा मे करने के उपरांत राधा दीदी जीवन वृत्ति ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के प्रयासो से ही विश्व समुदाय मे पहली बार हिन्दी एवं संस्कृत को पहचान प्राप्त हुई थी और इसी प्रेरणा से वह आज का सम्पूर्ण व्याख्यान हिन्दी भाषा में ही देंगे। राधा दीदी ने सभागार में उपस्थित जनसमुदाय से वार्ता का क्रम स्थापित करते हुए कहा कि लगभग 7 दिनों से अवध परिक्षेत्र के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में व्याख्यान के उपरांत अयोध्या की धरती पर हिन्दी भाषा में व्याख्यान देते हुए उन्हें जो सुखद अनुभूति हो रही है वह वर्षो तक साथ रहेगी। उन्होने विवेकानन्द के विभिन्न पक्षों पर चर्चा करते हुए कहा कि विवेकानन्द जी युवा पीढी से कहा करते थे कि जेसा तुम सोचते हो ठीक वैसा ही कर सकते हा, सिर्फ आत्मविश्वास के साथ आगे बढने की जरुरत है। उन्होने बताया कि स्वामी जी हमेशा युवाओ को उनके भीतर की सकारात्मक उर्जा को जागृति करने के लिए उनका आहवान करते थे। राधा दीदी ने यह भी कहा कि विवेकानन्द जी का कहना था कि यदि लक्ष्य स्पष्ट है तो किसी से अपमानित करने पर भी अविचलित रहते हुए लक्ष्य का पीछा करने की शक्ति सिर्फ युवा वर्ग मे ही है। उन्होने कहा कि स्वामी जी ने जीवन कल्याण के लिए युवावर्ग मे राष्ट प्रेम के लिए स्वाभिमान जागृति करने का कार्य किया। उन्होने स्वामी विवेकानन्द के जीवन से जुडे कई प्रेरणादायक प्रसंगो से भी जनसमुदाय को परिचित कराया।

अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने कहा कि विवेकानन्द जी का 125 वर्ष पहले शिकागो मे दिया गया भाषण उन्होने अपने जीवनकाल में अन्नगिनत बार सुना है आर यह महसूस किया है कि इसका एक एक शब्द अपने आप मे सम्पूर्ण निबन्ध हैं कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण से शिक्षा तो अर्जित हो सकती है लेकिन ज्ञान का विस्तार चिन्तन और महापुरुषों के जीवन दर्शन के अध्ययन से ही संभव हो सकता है। कुलपति ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि स्वामी विवेकानन्द जी पर आधारित यह कार्यक्रम उनके नाम पर स्थापित सभागार में संपन्न हो रहा है। कुलपति ने यह भी कहा कि स्वामी जी के ज्ञान दर्शन के प्रत्येक वाक्य को गंभीरता से पढें, हर वाक्य अपाके जीवन को परिवर्तित करने की क्षमता रखता है।

संगोष्ठी का संचालन योगाथिरैपी विभाग के समन्वयक डा0 सन्त शरण मिश्रा ने किया। संगोष्ठी मे बडी संख्या मे विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

नोटः फोटो संलग्न है।

मीडिया प्रभारी